Written by कुमार सौवीर
Thursday, 14 June 2018 10:58

: □□□□ □□□□ □□□ □□□□□□, □□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□ □□□□□□□□ : □□□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□ : □□ □□□□□□□ □□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□□□ □□□ □□□□□□ : □□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□, □□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□ :

□□□□□□ □□□□□□

□□□□ : इससे बेहतर तो अखलिेश यादव थे□ अखलिेश ने अनलि यादव को भले ही रेवड़ी की तरह यूपी लोकसेवा आयोग के अध्□यक्ष की कुर्सी थमा दी थी□ लेकनि जैसे ही अदालत ने अनलि यादव पर कड़ी प्रतक्रियिा की, अखलिेश ने अदालत का सम्□मान कयिा और बनिा कसिी चीं-चुपड़ के ही अनलि यादव को वदिा कर दयिा□ भले ही अगला अध्□यक्ष अनरिूद्ध यादव भी अखलिेश यादव का ही खासमखास नकिला□ लेकनि इसके बावजूद ताश की गड्डी फेंटने में जो साफगोई अखलिेश यादव ने दखिायी, वह बेमसिाल रही□

लेकनि अब हालत यह है कि आयोग की काहलिी, नाकारापन के लएि जम्मिेदार अनरिूद्ध संहि पर योगी सरकार चूं तक नहीं बोल पा रही है□ पीसी□स की दो परीक्षाओं का परणिाम तक अनरिूद्ध संहि नहीं घोषति कर पाये हैं, लेकनि आनन-फानन नयी परीक्षाओं की तारीख घोषति जरूर कर डाली□ जाहरि है कि इससे सामान्□य अ□भ्□यर्थयिों का गुस्□सा भड़क गया है□ कसिी भी सोशल साइट पर आप यूपी लोकसेवा आयोग की कार्यशैली पर तनकि भी कमेंट कर दीजएि□, रोते-बलिखते युवक-युवतयिां भरभरा कर वहीं पहुंच जा□ंगे□

जरा उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग के इतहिास की हालयिा हरकतों पर नजर डालयिे, तो आपको साफ पता चल जा□गा कि आयोग में कार्यशैली और व्□यवस्□था के नाम पर केवल भ्रष्□टाचार और बेईमानी ही रची-बसी रही है□ पद बेचे-खरीदे गये हैं, परीक्षा-घोटाले भरमार हैं□ जसिकी भी क्षमता होती है, वह अपने-अपनों के बच्□चों के लएि मनचाहा पद लेकर भाग नकिल जाते हैं□ मोटी रकम की जरूरत होती है, या फरि राजनीतकि पहुंच□ अखलिेश सरकार ने तो यहां बेईमानी की □क गजब दूकान खुलवा दी थी□

अभ्□यर्थयिों के लएि जूझने के मुताबकि आप गौर कीजएि कि 29 मार्च 2015 पीसी□स 2015 प्रारंभकि परीक्षा का पेपर लीक होता है□ छात्रों के उग्र आंदोलन के बाद प्रथम पाली का परीक्षा नरिस्त कयिा गया और छात्रों के साथ गंदा मजाक कयिा गया□ यह सलिसलिा यहीं नहीं रुकता है□ समीक्षा अधकिारी 2016 का पेपर भी लीक होता है जसिका जांच आज भी लंबति है और अभ्यर्थयिों के अमूल्य समय को बर्बाद कयिा जा रहा है□ यह सब □क सुनयिोजति तरीके से होता रहा और भ्रष्टाचार का सलिसलिा बढ़ता गया□ हमारे नौजवानों के भवष्यि के साथ खलिवाड़ होता रहा सरकारें चुप थी और नौजवान परेशान था□

□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□, □□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□:-

Written by कुमार सौवीर
Thursday, 14 June 2018 10:58

□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□□□

यहां लोकतंत्र में लोक खत्म हो गया था। और तंत्र ही बचा था। इसका उदाहरण उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरुद्ध में उतरे लाखों प्रतियोगी छात्रों पर 48 बार लाठीचार्ज 7 बार फायरिंग वाटर कैनन, आंसू गैस के गोले छोड़े ग। प्रतियोगी छात्रों को जेल भेजा गया बात यहीं नहीं खत्म होती है। कई बार तो छात्रों पर संगीन धारा: लगाई गई। जैसे 7A /CLA गुंडा एक्ट। यहां तक कि कुछ छात्रों को 5000 का इनामी अपराधी तक घोषित कर दिया गया था। इस बात से उस समय में लोकतंत्र का अनुमान लगाया जा सकता है । लोक सेवा आयोग के भ्रष्टाचार को करीब से समझने और लिखने वाले इलाहाबाद के वरिष्ठ पत्रकार अखिलेश मिश्रा कहते हैं, आयोग में त्रिस्तरीय आरक्षण व्यवस्था जब लागू हुआ तो छात्रों ने इसके खिलाफ आंदोलन किया बाद में आयोग ने इसे बदला तो भ्रष्टाचार खुलकर सामने आया।

बहरहाल, अनिल यादव के बदले गये, और उनकी जगह अनिरुद्ध बैठे। उसके बाद निष्क्रियता की भयावह हालत पैदा हो गयी। हैरत की बात है कि योगी के मुख्यमंत्री बनने के सवा बरस बीत जाने के बाद भी सरकार ने इस आयोग पर कोई भी ध्यान नहीं दिया। एक बार भी सरकार ने यह नहीं सोचा कि यूपी के अफसरों की आपूर्ति करने वाली इस फैक्ट्री यानी यूपी लोक सेवा आयोग को चुस्त-दुरुस्त करना ही नहीं, बल्कि युवाओं में बढ़ती जा रही हताशा को दूर करने के लिए भी आयोग को सुधारना जरूरी है।

हालत यह है कि अपने भविष्य से भयभीत इन अभ्यर्थियों ने योगी सरकार पर ही लानत भेजना शुरू कर दिया है।